दैनिक जागरण 16-10-2024

स्वास्थ्य और भारतीय जीवन शैली में आने वाली चुनौतियों पर वक्ताओं ने रखे विचार

- **जीवन शैली और बदलता खान**-पान स्वास्थ्य समस्याओं का मुख्य कारण
- तीन दिवसीय वर्कशाप प्रयोगशाला सीजन-वन के दूसरे सत्र में रेज्यूमे राइटिंग एवम इंटरव्यूज स्किल्स की जानकारी दी गई

जीएमएन कालेज में आयोजित संगोष्ठी में शामिल प्रतिभागी। ● सौजन्य विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता ● अंबाला : मंगलवार को गांधी मेमोरियल नेशनल (जीएमएन) कालेज अंबाला छावनी में प्राचार्य डा. रोहित दत्त की अध्यक्षता में स्वास्थ्य और भारतीय जीवन शैली में आने वाली चुनौतियों पर आधारित एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर डा. करतार सिंह धीमान वाइस चांसलर श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र रहे। डा. धीमान ने भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली और आयुष पद्धति के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणाली और आयुर्वेद भारतीय समाज के स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मुख्य वक्ता डा. अशोक कुमार वार्ष्णेय राष्ट्रीय संगठन सचिव आरोग्य भारती ने अपने वक्तव्य में भारतीय स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया की वर्तमान जीवन शैली और बदलते खान-पान की आदते स्वास्थ्य समस्याओं का मुख्य कारण बन रही है। केवल चिकित्सा उपचार ही नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना और भारतीय प्राचीन परंपराओं के अनुसार जीवन जीना ही दीर्घकालिक स्वास्थ्य का मार्ग है। डा. रोहित दत्त ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में फार्मास्यूटिकल की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भले ही दवाइयां, बीमारियों के इलाज में सहायक होती है लेकिन इनका अत्यधिक या अनुचित उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसी तरह काले में कारपोरेट रिसोर्स सेंटर (सीआरसी) द्वारा कालेज के कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग एवम मैनेजमेंट विभाग के सहयोग से तीन दिवसीय वर्कशाप प्रयोगशाला सीजन-वन के दूसरे सत्र में रेज्यूमे राइटिंग एवम इंटरव्यूज स्किल्स पर जानकारी दी गई।